दिनांक : .०८.२०१९

प्रति,

माननीय केंद्रीय गृहमंत्री,

भारत सरकार, केंद्र सरकार

विषय : चर्च में हो रहे सहस्रों करोड रुपयों के घोटाले तथा बढते यौन अत्याचार देखते हुए उस पर शासन का नियंत्रण लाने के लिए चर्च का सरकारीकरण करें ....

महोदय,

कुछ समय पूर्व ही उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में चर्चसंस्था की 1 सहस्र करोड रुपयों की भूमि बेचने में हुए घोटाले के प्रकरण में पुलिस ने चर्च के एक बिशप सहित 16 पदाधिकारियों पर अपराध प्रविष्ट किया है । 'इंडियन चर्च ट्रस्टीज, डायसिस ऑफ लखनऊ' के स्वामित्व की यह भूमि झूठे दस्तावेजों के आधार पर अन्य संस्था को बेची गई । बिशप जॉन अगेस्ट्रीन के कहने के अनुसार संपूर्ण देश में सहस्रो करोड रुपयों की भूमि बेची गई है । इस प्रकरण में बिशप पीटर बलदेव का सहयोग है । पहले भी उन्हें हिन्दुओं का धर्मांतरण करने के प्रकरण में बंदी बनाया गया था । झूठा न्यास बनाकर भूमि बेचने का देश का यह सबसे बडा घोटाला है । चर्च में घोटाला होने का यह एक प्रकरण नहीं है । इसके पहले भी कुछ और प्रकरण हुए हैं । साथ ही चर्च में केवल घोटाले नहीं हो रहे, अपितु चर्च यौन शोषण के केंद्र बनते जा रहे हैं, यह भी गत कुछ घटनाओं से दिखाई दे रहा है । इस अनुषंग से ध्यान में आए सूत्र यहां दे रहे हैं ....

*** चर्च में बढती आर्थिक अनियमितता के संबंध में ....**

1. कोची (केरल) स्थित सायरो-मलबार चर्च के स्वामित्व की 3.06 एकड भूमि वर्ष 2015 में कार्डीनल अलेनचेरी और उनके सहयोगियों ने 9 करोड रुपयों में बेच दी । इस भूमि का बाजार मूल्य 27 करोड रुपए था । इस लेन-देन का समाचार सर्वत्र फैलने पर उसकी पूछताछ के लिए चर्च के पदाधिकारियों की एक 6 सदस्यीय समिति नियुक्त की गई । इस समिति ने इस लेन-देन में घोटाला होने का ब्यौरा दिया था । इस प्रकरण में सायरो-मलबार चर्च के प्रमुख कार्डीनल जॉर्ज अलेनचेरी पर अपराध प्रविष्ट कर उनकी पूछताछ करने का आदेश केरल उच्च न्यायालय ने कुछ समय पूर्व ही दिया है ।

2. वर्ष 2017 से आर्थिक अनियमितता, चर्च की निधि का दुरुपयोग और चर्च की भूमि बेचने के प्रकरण में 'चर्च ऑफ साउथ इंडिया ट्रस्ट एसोसिएशन' नामक संगठन के कामकाज पर 'गंभीर ठगी अन्वेषण कार्यालय' की ('सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफीस'की) बारीक दृष्टि है ।

चर्च में महिलाओं पर बढते अत्याचार के अपराधों के संबंध में ....

1. सितंबर 2018 में केरल के कोट्टयम स्थित सिरो-मलाबार चर्च की एक 44 वर्षीय नन ने आरोप लगाया था कि चर्च के बिशप फ्रेन्को मुलक्कल ने उस पर 13 बार बलात्कार किया है । केरल पुलिस ने आरोपी मुलक्कल को अपराध प्रविष्ट करने के 75 दिनों पश्चात बंदी बनाया था ।

2. जून 2018 में केरल के कोट्टयम स्थित एक चर्च के 5 पादरियों ने एक महिला का गत कुछ वर्षों में 380 बार यौन शोषण किया था । उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस प्रकरण में पुलिस ने एक पादरी को बंदी बनाया है तथा अन्य पादरी फरार हैं ।

उक्त घटनाएं उदाहरण हैं; परंतु गत कुछ वर्षों में चर्च में महिलाओं के यौन शोषण से संबंधित घटनाएं निरंतर हो रही हैं । चर्च संस्थाओं का कुल सर्व कारोबार संदेहास्पद है । इसके साथ ही यह भी उजागर हुआ है कि हिन्दुओं को धर्मांतरित करने के लिए अनेक चर्चों को विदेश से बडी मात्रा में धन मिल रहा है । भारत की

चर्च संस्था के पास बडी मात्रा में भूमि और संपत्ति है तथा उनमें घोटाले होने की आशंका है; परंतु फादर और चर्च के दबाव के कारण ये घोटाले उजागर न होने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता ।

*** इसलिए इस प्रकरण में हमारी निम्नांकित मांगे हैं .....**

1. हिन्दुओं के मंदिरों के सुव्यवस्थापन के नामपर सरकार ने मंदिरों का सरकारीकरण किया तथा मंदिरों को नियंत्रण में लेते हुए शासकीय न्यासी नियुक्त किए । उसी प्रकार चर्च से संबंधित हो रहे घोटाले, अनुचित लेन-देन को ध्यान में रखते हुए देशभर के सर्व चर्चों का सरकारीकरण किया जाए अन्यथा मंदिरों का सरकारीकरण निरस्त किया जाए ।

2. चर्च में हो रहे घोटाले और अन्य सर्व प्रकार के आपराधिक प्रकरणों की पूछताछ के लिए एक विशेष आयोग नियुक्त किया जाए ।

3. चर्च में हो रहे घोटालों के सभी अभियोग शीघ्रगति न्यायालय में चलाए जाएं तथा सभी आरोपियों को तत्काल दंडित करने के लिए केंद्र शासन प्रयत्न करे ।

4. चर्च के नियंत्रण की सहस्रो एकड भूमि शासन अपने नियंत्रण में ले तथा उनका उपयोग जनहित के लिए करे ।

आपका विश्वासपात्र,

संपर्क :